

20/01/25

पत्रावली, पेश हुई। वाही एवं वाही
के अधिकार को बार-बार आकाश
डिल्ली गयी। जो हाथि नहीं है। अतः
अदम हाथी व अदम पैरवी में वाह
स्वादि किया जाता है। पत्रावली नम्बर ले
कम हो। वाह पाप्मा कारवाही द। विज
दफ्तर हो।

(दमयन्ती गुप्ता)
अपेक्षित अधिकारी
फरसहाद, जयपुर (राज.)